सावन में शिवतत्व

भारतीय संस्कृति में शिव की आराधना का अद्भूत महत्व है। सावन मास महादेव को अत्यंत प्रिय है। दैविक, दैहिक और भौतिक दुखों को दूर करने के कारण शिव का नाम रुद्र पड़ा। इसीलिए शिव ने त्रिशूल भी धारण किया। परम पुरुष आदिदेव साकार ब्रह्म होने के कारण वे सृजन, पालन और संहार करते हैं। अभिषेक प्रिय होने के कारण श्रवण मास में रुद्राभिषेक की परम्परा है।

एक लोक आस्था के अनुसार सावन मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन के समय लोक मंगल के लिए गरल पान किया था। उसी समय शीतलता प्रदान करने के लिए इंद्रदेव ने वृष्टि की। इसीलिए सावन मास में महादेव का जलाभिषेक करने की परम्परा आरम्भ हुई। भगवान जगत की पीड़ा और आंसू लेकर अमृत लौटाते हैं। गांव के संस्कार में रमे भोले के विवाह का मंगल गाए बिना कोई विवाह पूरा नहीं होता। मत्स्य पुराण में शिवलिंग उपासना के अलावा शिव पुराण में द्वादश ज्योतिर्लिंग वर्णित हैं। स्कन्द पुराण, अग्नि पुराण, गरुड़ पुराण और कालिका पुराण में शिव का व्यापक उल्लेख किया गया है। तुलसी दास ने शिव को विश्वास और पार्वती को श्रद्धा माना। विष्णु, शिव को एक दूसरे का उपासक माना। कवि कालिदास रघुवंश का प्रारंभ शिव आराधना से करते हैं। महाभारत में शिव सर्वोच्च देवता के रूप में वर्णित है। आशुतोष का अर्थ है अतिशीघ्र संतुष्ट होने वाले भगवान शिव। श्रवण मास में शिव आराधना का उच्च स्थान है। इस माह में शिव की पूजा, व्रत, उपवास पुराण श्रवण अत्यन्त पुण्यदायी होता है। सावन के सोमवार का शिव पूजन विशेष दिवस है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और आस्था से की गई उपासना निष्फल नहीं होती। जावालोप निषद में उल्लिखित है कि रुद्राक्ष शिव के आंसू हैं। इनका तृतीय उ?र्ध्व नेत्र व बाईं आंखों की संयुक्त शक्ति का प्रतीक है। डमरू ज्ञान का उद्गाता है। शिव का एक नाम त्रिलोचन भी है। शिवजी मृत्युन्जय हैं। इनकी पूजा मृत्यु और काल को पराजित करती है। अयोध्या में सरयूतट पर नागेश्वरनाथ मंदिर सावन मास में भक्तों से परिपूर्ण रहता है। सोमवार के दिन शिव आराधना करने पर चंद्रमा से आने वाली तरंगें मन को शांत बनाती हैं। कांवड़ शिव पूजा का एक स्वरूप है। गंगा या पवित्र नदियों सरयू आदि से जल भरकर शिव पर अभिषेक करने से परात्पर शिव के साथ विहार होता है। कांवड़ से ज्ञान की उच्चता का प्रतिपादन होता है।

यजुर्वेद में परमात्मा को शिव शंभु और शंकर नाम से नमन किया गया है। शिव शब्द लघु है इसका अर्थ इसे गंभीर बना देता है। शंभु का भावार्थ है मंगलदायक। शंकर का तात्पर्य है आनंद का स्रोत। शिव पुराण में शिव के पंचानन स्वरूप का ध्यान बताया गया है। ये पांच मुख-ईशान, तत्पुरुष, अघोर, वामदेव और सद्योजात है। ईशान शिव का उर्ध्वमुख है, वर्ण दुग्ध जैसा है। ईशान पंचमूर्ति महादेव की क्त्रीड़ा मूर्ति हैं। पूर्व मुख का नाम तत्पुरुष है। वायुतत्व के अधिपति तत्पुरुष तपोमूर्ति हैं। भगवान सदाशिव के दक्षिणी मुख को अघोर कहा जाता है। यह शिव की संहारकारी शक्ति भक्तों का संकट दूर करती है। उत्तरी मुख वामदेव जलतत्व के अधिपति कृष्ण वर्ण के हैं। शंकर के पश्चिमी मुख को सद्योजात कहा जाता है जो श्वेत वर्ण है। पंच भूतों के अधिपति होने के कारण शिव भूतनाथ कहे जाते हैं। शिव को सभी प्राणियों का विश्रम स्थान कहती हैं। शिव काल के प्रवर्तक और नियंत्रक होने से महाकाल हैं। काल के पांच अंग तिथि, वार नक्षत्र, योग और करण शिव के अवयव हैं। महादेव की अर्चना करने के लिए सर्व प्रथम स्वयं को शिव के अनुरूप बनाना पड़ता है। शिव की उपासना तभी सार्थक होती है जब भक्त शिव की भांति परोपकारी, त्यागी, सहिष्णु, सहनशील और साधनायुक्त हो। शिव साधना में कर्मकांड की जटिलता नहीं बल्कि भावना की प्रधानता है। जिस तरह हलाहल का पान करके शिव ने नीलकंठ बनकर देवताओं को संकट से बचाया, उसी भांति उनके भक्तों को भी उनका अनुसरण करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

शिवतत्व को जीवन में उतार लेना ही शिवत्व प्राप्त करना है। यही शिव होना भी है। भगवान शिव दूसरों को सुख देने के लिए गरल पीने से पीछे नहीं हटे। शिव का सच्चा उपासक बनने के लिए उनके गुणों को स्वयं को उतारने पर शिव बनना होता है। सावन मास शिवार्चन के साथ शिव की राह पर चलने का श्रेष्ठ समय है। उज्जैन में शिप्रा नदी के किनारे स्थित महाकालेश्वर मंदिर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है। सावन के प्रत्येक सोमवार को भाद्रपद माह के कृष्णपक्ष तक महाकाल की सवारी निकलती है। सावन में शिव बनने की आस्था चेतना जगाती है। सावन में शिवतत्व की विलक्षण परंपरा है।

त्रिपुरारी का मनोहारी स्वरूप

त्रिपुर का अर्थ है लोभ, मोह और अहंकार। मनुष्य के भीतर इन तीन विकारों का वध करने वाले त्रिपुरारी शिव की शक्ति का पुराणों में प्रतीकात्मक वर्णन अभिभूत करने वाला है। जटाजूट में सुशोभित चंद्रमा, सिर से बहती गंगा की धार, हाथ में डमरू, नीला कंठ और तीन नेत्रों वाला दिव्य रूप किसके हृदय को आकर्षित न कर लेगा। भगवान शंकर का तीसरा नेत्र ज्ञानचक्षु है। यह विवेकशीलता का प्रतीक है। इस ज्ञानचक्षु की पलकें खुलते ही काम जलकर भस्म हो जाता है। यह विवेक अपना ऋषित्व स्थिर रखते हुए दुष्टता को उन्मुक्त रूप से नहीं विचरने देता है। अंतत- उसका मद-मर्दन करके ही रहता है। वस्तुत- यह तृतीय नेत्र सृष्टा ने प्रत्येक व्यक्ति को दिया है। यदि यह तीसरा नेत्र खुल जाए, तो सामान्य बीज रूपी मनुष्य की संभावनाएं वट वृक्ष का आकार ले सकती हैं। शिव-सा शायद ही कोई संपन्न हो, पर वे संपन्नता के किसी भी साधन का अपने लिए प्रयोग नहींकरते हैं। हलाहल (विष) को गले में रोकने से वह नीलकंठ हो गए हैं अर्थात विश्व कल्याण के लिए उन्होंने विपरीत परिस्थितियों को तो स्वीकार किया, पर व्यक्तित्व पर उसका प्रभाव नहींपड़ने दिया। शिव को पशुपति कहा गया है। पशुत्व की परिधि में आने वाली दुर्भावनाओं और दुष्प्रवृत्तियों का नियंत्रण करना पशुपति का काम है। नर-पशु के रूप में रह रहा जीव जब कल्याणकर्ता शिव की शरण में आ जाता है, तो सहज ही उसकी पशुता का निराकरण हो जाता है। शिव परिवार में मूषक (गणेश का वाहन) का शत्रु सर्प, सांप का दुश्मन मोर (कार्तिकेय का वाहन) और मोर एवं बैल (शिव का वाहन) का शत्रु शेर (मां पार्वती का वाहन) शामिल है। इसके बावजूद परिवार में सामंजस्य बना रहता है। शिव परिवार विपरीत परिस्थितियों में सामंजस्य बनाए रखने का अनुपम संदेश भी देता है

भक्तों के लिए खास महत्व रखता भीमाशंकर मंदिर

प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र भीमाशंकर मंदिर महाराष्ट्र में पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित सह्याद्रि नामक पर्वत पर है। यह स्थान नासिक से लगभग 120 मील दूर है। यह मंदिर भारत में पाए जाने वाले बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। 3,250 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर का शिवलिंग काफी मोटा है। इसलिए इसे मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। इसी मंदिर के पास से भीमा नामक एक नदी भी बहती है जो कृष्णा नदी में जाकर मिलती है। पुराणों में ऐसी मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा से इस मंदिर के प्रतिदिन सुबह सूर्य निकलने के बाद 12 ज्योतिर्लिंगों का नाम जापते हुए इस मंदिर के दर्शन करता है, उसके सात जन्मों के पाप दूर होते हैं तथा उसके लिए स्वर्ग के मार्ग खुल जाते हैं।

भीमाशंकर मंदिर का इतिहास

भीमशंकर ज्योतिर्लिंग का वर्णन शिवपुराण में मिलता है। शिवपुराण में कहा गया है कि पुराने समय में कुंभकर्ण का पुत्र भीम नाम का एक राक्षस था। उसका जन्म ठीक उसके पिता की मृत्यु के बाद हुआ था। अपनी पिता की मृत्यु भगवान राम के हाथों होने की घटना की उसे जानकारी नहीं थी। बाद में अपनी माता से इस घटना की जानकारी हुई तो वह श्री भगवान राम का वध करने के लिए आतुर हो गया। अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए उसने अनेक वषरें तक कठोर तपस्या की जिससे प्रसन्न होकर उसे ब्रह्मा जी ने विजयी होने का वरदान दिया। वरदान पाने के बाद राक्षस निरंकुश हो गया। उससे मनुष्यों के साथ साथ देवी-देवता भी भयभीत रहने लगे। धीरे-धीरे सभी जगह उसके आंतक की चर्चा होने लगी। युद्ध में उसने देवताओं को भी परास्त करना प्रारंभ कर दिया। उसने सभी तरह के पूजा पाठ बंद करवा दिए। अत्यंत परेशान होने के बाद सभी देव भगवान शिव की शरण में गए। भगवान शिव ने सभी को आश्वासन दिलाया कि वे इस का उपाय निकालेंगे। भगवान शिव ने राक्षस तानाशाह भीम से युद्ध करने की ठानी। लड़ाई में भगवान शिव ने दुष्ट राक्षस को राख कर दिया और इस तरह अत्याचार की कहानी का अंत हुआ। भगवान शिव से सभी देवों ने आग्रह किया कि वे इसी स्थान पर शिवलिंग रूप में विराजित हो। उनकी इस प्रार्थना को भगवान शिव ने स्वीकार किया और वे भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के रूप में आज भी यहां विराजित हैं।

मंदिर की संरचना - भीमाशंकर मंदिर नागर शैली की वास्तुकला से बनी एक प्राचीन और नई संरचनाओं का समिश्रण है। इस मंदिर से प्राचीन विश्वकर्मा वास्तुशिल्पियों की कौशल श्रेष्ठता का पता चलता है। इस सुंदर मंदिर का शिखर नाना फड़नवीस द्वारा 18वीं सदी में बनाया गया था। कहा जाता है कि महान मराठा शासक शिवाजी ने इस मंदिर की पूजा के लिए कई तरह की सुविधाएं प्रदान की।

नाना फड़नवीस द्वारा निर्मित हेमादपंथि की संरचना में बनाया गया एक बड़ा घंटा भीमशंकर की एक विशेषता है। अगर आप यहां जाएं तो आपको हनुमान झील, गुप्त भीमशंकर, भीमा नदी की उत्पत्ति, नागफनी, बॉम्बे प्वाइंट, साक्षी विनायक जैसे स्थानों का दौरा करने का मौका मिल सकता है। भीमशंकर लाल वन क्षेत्र और वन्यजीव अभयारण्य द्वारा संरक्षित है जहां पक्षियों, जानवरों, फूलों, पौधों की भरमार है। यह जगह श्रद्धालुओं के साथ-साथ ट्रैकर्स प्रेमियों के लिए भी उपयोगी है। यह मंदिर पुणे में बहुत ही प्रसिद्ध है। यहां दुनिया भर से लोग इस मंदिर को देखने और पूजा करने के लिए आते हैं। भीमाशंकर मंदिर के पास कमलजा मंदिर है। कमलजा पार्वती जी का अवतार हैं। इस मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगती है।

भीमशंकर मंदिर जाने का समय

यहां आने वाले श्रद्धालु कम से कम तीन दिन जरूर रुकते हैं। यहां श्रद्धालुओं के लिए रुकने के लिए हर तरह की व्यवस्था की गई है। भीमशंकर से कुछ ही दूरी पर शिनोली और घोड़गांव है जहां आपको हर तरह की सुविधा मिलेगी। यदि आपको भीमशंकर मंदिर की यात्रा करनी है तो अगस्त और फरवरी महीने की बीच जाएं। वैसे आप ग्रीष्म ऋतु को छोड़कर किसी भी समय यहां आ-जा सकते हैं। वैसे जिन्हें ट्रैकिंग पसंद है उन्हें मानसून के दौरान बचने की सलाह दी जाती है।

कैसे पहुंचें - आप यहां सड़क और रेल मार्ग के जरिए आसानी से पहुंच सकते हैं। पुणे से एमआरटीसी की सरकारी बसें रोजाना सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक चलती हैं, जिसे पकड़कर आप आसानी से भीमशंकर मंदिर तक पहुंच सकते हैं। महाशिवरात्रि या प्रत्येक माह में आने वाली शिवरात्रि को यहां पहुंचने के लिए विशेष बसों का प्रबन्ध भी किया जाता है।

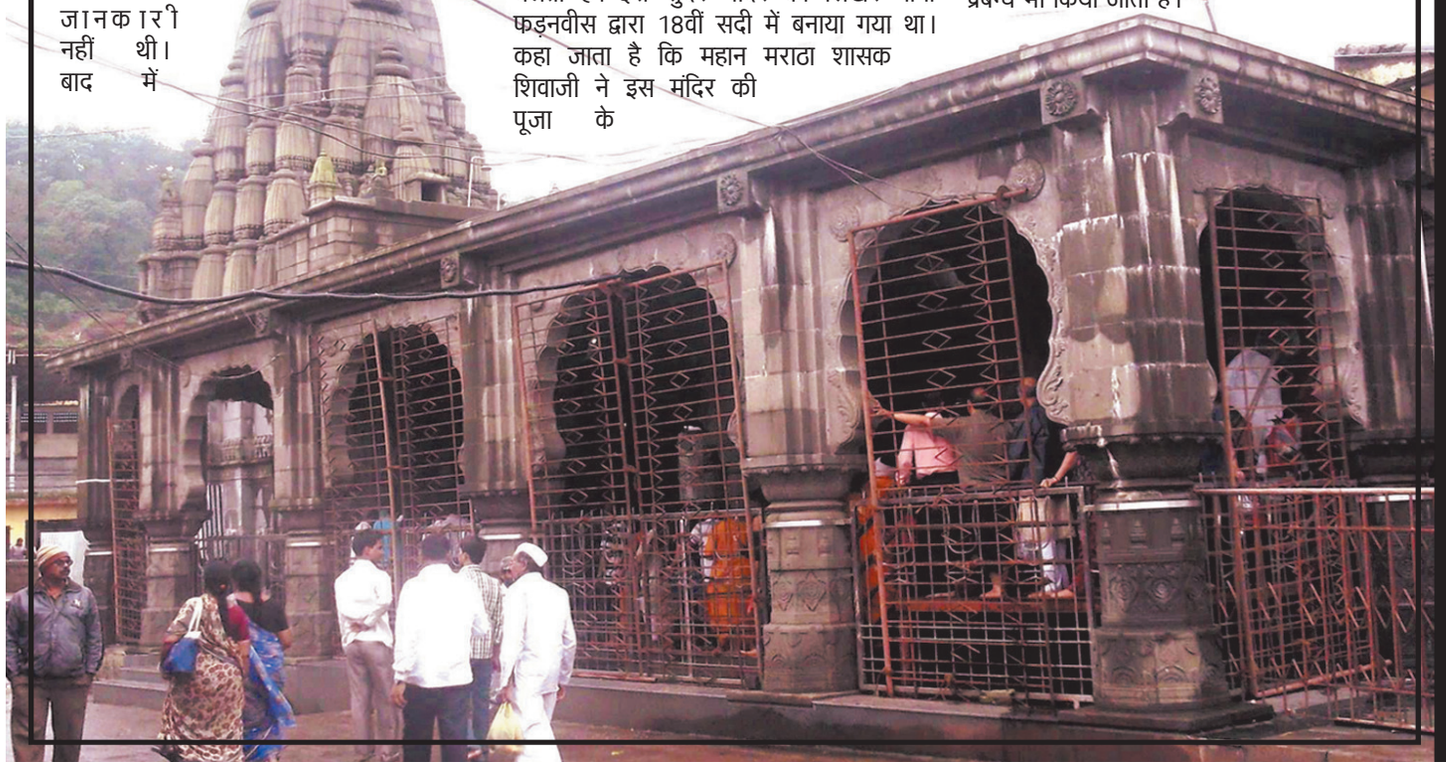

राशी के अनुसार कैसे करें शिव पूजा

मेष -(चू चे चो ला ली लू ले लो अ) मेष राशी का रंग लाल है ,इस राशि के व्यक्ति जल में रोली या लाल चंदन मिलाकर शिव का अभिषेक करें व लाल कनेर के फूल चढ़ाए ।

वृष- (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) इस राशी का रंग सफेद है अत वृष राशि के लोगों के लिए गंगा जल, दूध, दही, घी , में सफेद चंदन से शिव जी का अभिषेक करे और सफेद चंदन, धतूरे का फूल चढ़ाए।

मिथुन- (का की कू घ छ के को हा) इस राशि का रंग हरा है, मिथुन राशी वाले व्यक्ति गन्ने के रस से शिवजी का अभिषेक करे। बेलपत्र का आक का पुष्प अर्पित करें।

कर्क-(ही हू हे हो डा डी डू डे डो) कर्क राशि का रंग सफेद है अत- कर्क राशि के लोगों के लिए गंगा जल, दूध, दही, घी , में सफेद चंदन से शिव जी का अभिषेक करे और सफेद चंदन, धतूरे का फूल चढ़ाएं।

सिंह-(मा मी मू मे मो टा टी टू टे) सिंह राशि का रंग लाल है ,इस राशि के व्यक्ति जल में रोली या लाल चन्दन मिलाकर शिव का अभिषेक करें व लाल कनेर के फूल चढ़ाएं।

कन्या-(टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) इस राशि का रंग हरा है, कन्या राशी वाले व्यक्ति गन्ने के रस से शिवजी का अभिषेक करे। दूर्वा के साध भांग, बेलपत्र का और आक के फूल अर्पित करें।

तुला-(रा री रू रे रो ता ती तू ते) इस राशी का रंग सफेद है अत- तुला राशि के लोगों के लिए गंगा जल, दूध, दही, घी , में सफेद चंदन से शिव जी का अभिषेक करे और सफेद चंदन, धतूरे का फूल चढ़ाएं।

वृश्चिक-(तो ना नी नू ने नो या यी यू) वृश्चिक राशी वाले पंचामृत से शिव का अभिषेक करे, साथ ही लाल चंदन, लाल फूल भी शिव लिंग के ऊपर जरुर चढ़ाएं।

धनु- (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) इस राशी का रंग पीला है, इस राशि के जातक कच्चे दूध में हल्दी मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें साथ ही पीले कनेर या गेंदे का पुष्प अर्पित करें।

मकर- (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) मकर राशी के स्वामी शनि देव है इनका रंग श्याम वर्ण का है अत- इन राशी वाले नारियल पानी से शिव जी का अभिषेक करे, साथ ही शमि का पुष्प शिवलिंग पर चढ़ाएं।

कुंभ - (गू गे गो सा सी सू से सौ दा) कुंभ राशी वाले तिल के तेल से शिव जी का अभिषेक करे, साथ ही शमि का पुष्प शिवलिंग पर चढ़ाएं।

मीन-(दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) इस राशी का रंग पीला है, इस राशि के जातक कच्चे दूध में केसर मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें साथ ही पीले कनेर या गेंदे का पुष्प अर्पित करें।

गुजरात में दूसरे दिन भी भारी वर्षा, पांच मरे

राजकोट में विगत 24 घंटे में भारी बारिश जलमग्न सड़क

चोटिला में कुल 588 मिमी, राजकोट में 438 मिमी वर्षा

सुरेन्द्रनगर के चोटिला में शुक्रवार को हुई 450 मिमी वर्षा के बाद आज भी वहां 138 मिमी यानी दो दिन में कुल 588 मिमी अथवा करीब 24 ईंच या दो फुट वर्षा हुई है। इसी जिले के दसादा में 235 मिमी, ध्रांगध्रा में 121 मिमी, वढवाण में 105 मिमी वर्षा हुई। कल राजकोट शहर में 238 मिमी वर्षा के बाद आज भी शाम छह बजे तक 200 मिमी वर्षा यानी करीब 17 ईंच वर्षा दर्ज की गई है। शुक्रवार को मोरबी के टंकारा में 340 मिमी वर्षा के बाद मोरबी में 114 मिमी वर्षा हुई। जामनगर के जोडिया में शनिवार को 138 मिमी बरसात हुई। शनिवार का वर्षा का कहर कच्छ जिले के कई हिस्सों में रहा और सर्वाधिक 175 मिमी अब्डासा में दर्ज हुई। भचाऊ और भुज में 106 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी कई स्थानों पर अति भारी वर्षा के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

कई गांव संपर्क विहिन हो गए हैं, सैकड़ों लोगों को बचाया अथवा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग समेत 31 से अधिक सडके जलभराव तथा पुल टूटने के कारण बंद हो गई हैं।

पिछले 48 घंटे में वर्षा जनित घटनाओं में पांच लोगों की मौत हुई है जिनमें एक आठ वर्षीय बालक समेत दो लोग आज पानी में बह गये। एक एक मौत सुरेन्द्रनगर के सायला तथा राजकोट के लोधिका तालुका में हुई।

देहरादून में अतिवृष्टि के चलते 46 मकान क्षतिग्रस्त

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून समेत विभिन्न जिलों में अतिवृष्टि के कारण 46 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। आपातकालीन परिचालन केन्द्र के अनुसार विकासनगर, ऋषिकेश एवं डोईवाला तहसीलों में 46 भवन क्षतिग्रस्त हुऐ हैं। चमोली जिले के तहसील थराली के क्वारी बुग्याल के ग्राम-बलाण में अतिवृष्टि से कुल 25 पशुओं की मौत हो चुकी है तथा 13 भवन क्षतिग्रस्त हो गए। केन्द्र के मुताबिक चम्पावत जिले में भी दो पशुओं की मौत होने तथा एक भवन क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। राज्य के सभी जनपदों में कुल 338 अवरूद्ध मार्गों में से 138 मार्गों को यातायात के लिए खोला गया है तथा शेष 200 मुख्य राज्य मार्गों/ग्रामीण मार्गों को खोलने का कार्य प्रगति पर है।

वायु सेना के हेलीकॉप्टर ने गुजरात में बाढ़ में फंसे 12 को बचाया

सुरेन्द्रनगर, एजेंसी। गुजरात में अति भारी वर्षा के बीच सर्वाधिक प्रभावित और बाढ़ग्रस्त सुरेन्द्रनगर जिले में शनिवार को बचाव कार्य के लिए वायु सेना की मदद ली गई जिसे जामनगर वायु सेना अड्डे के हेलीकॉप्टर के जरिए ध्रांगध्रा तालुका के बराडा गांव में बाढ़ में फंसे 12 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। कलेक्टर उदित अग्रवाल ने बताया कि मुश्किल परिस्थिति को देखते हुए वायु सेना की मदद ली गयी। जिले में पिछले 24 घंटे में विशेष रूप से चोटिला में 450 मिलीमीटर यानी 18 ईंच बरसात होने से धोलीधजा, नायका, सबुरी, मोरसल और त्रिवेणी टांगा पांच डैम भी छलक गये हैं। राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल यानी एनडीआरएफ भी बचाव कार्य में लगी है और इसने वढवाण में दो स्थानों से बाढ में फंसे पांच लोगों को बचाया। सुरेन्द्रनगर शहर के कृष्णानगर के निकट पानी से घिरे तीन अन्य को बचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। फिलहाल सुरेन्द्रनगर में बरसात थम गई है।

न्यूज डायरी

गिलानी और मीरवाइज पर प्रतिबंध, जेल में मलिक

श्रीनगर। (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दोनों धड़ों के अध्यक्ष सैयद अली शाह गिलानी और मीरवाइज मौलवी उमर फारूख की उनके घर में नजरबंदी जारी है, जबकि जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) प्रमुख मोहम्मद यासीन मलिक को श्रीनगर केन्द्रीय कारागार में भेज दिया गया। सभी अलगाववादी दल घाटी में आत्मनिर्णय का अधिकार पाने के लिये आंदोलन की अगुआई करने के अलावा प्रदर्शन और हड़ताल का आव्हान कर रहे थे। हुर्रियत के एक प्रवक्ता ने बताया कि पिछले एक वर्ष से नजरबंद चल रहे गिलानी को घर से बाहर निकलते ही गिरफ्तार कर लिया और शाम में रिहा किया गया।

गाजियाबाद में शूटर बॉबी गिरफ्तार

गाजियाबाद (एजेंसी)। जिले में तीन दिन पहले हुई हत्या के मामले में पुलिस ने सेठी गैंग के एक शूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बॉबी पुत्र राजवीर है। उसके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं। इंदिरापुरम थाना पुलिस को सूचना मिली कि तीन दिन पहले जिला अदालत में पैरवी कर लौट रहे नरेंद्र और उसके चालक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने वाला आरोपी इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में आने वाला है। इसके बाद इंदिरापुरम पुलिस ने ग्रीन एवेन्यू के पास चैकिंग की। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोका। तलाशी में उसके पास से तमंचा और कारतूस मिला, जिसके बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

दार्जिलिंग में 34वें दिन भी जारी रहा आंदोलन

दार्जिलिंग/सिलीगुड़ी (एजेंसी)। अलग गोरखालैंड राज्य की मांग को लेकर गोरखलैंड मूवमेंट कॉर्डिनेशन कमेटी (जीएमसीसी) के आह्वान पर अनिश्चतकालीन आंदोलन हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बीच शनिवार को 34वें दिन भी जारी रहा। संदिग्ध गोरखा आंदोलनकारियों ने तक्दाह के पंचायत कार्यालय में आग लगा दी। कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने शुक्रवार की रात इस घटना को अंजाम दिया।

राहुल गांधी ने कामराज को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

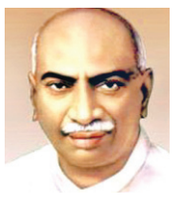

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के कामराज को उनकी जयंती पर शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री गांधी ने ट्वीट किया कि वह ऐसे नेता थे जो सबको प्यार करते, गले लगाते और सबसे बड़ी बात यह कि वह लोगों की सुनते थे। के कामराज ने जो आदर्श स्थापित किए वह हमें सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

न्यू बॉम्बे	
दिन	
569 = 0	235 = 0
महू	
दिन	
145 = 0	379 = 9

रास में 16 व लोस में नौ पुराने बिल पास करने की कोशिश

मानसून सत्र में पेश होंगे 16 नए विधेयक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

संसद के आगामी मानसून सत्र में लोकसभा और राज्यसभा में कम से कम 16 नए विधेयक पेश किए जाएंगे, जिनमें जम्मू एवं कश्मीर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विधेयक और नागरिकता संशोधन विधेयक शामिल हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक के जरिए सरकार अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले विदेशी नागरिकों के एक खास वर्ग को भारतीय नागरिकता देना चाहती है। इसके अलावा सरकार की कोशिश राज्य सभा में 16 और लोकसभा में नौ पुराने विधेयकों को परित करवाने की होगी।

मानसून सत्र में पेश होने के लिए सूचीबद्ध प्रमुख विधेयकों का विवरण

1. जीएसटी से जुड़े विधेयक: जम्मू एवं कश्मीर में जीएसटी लागू करने से संबंधित दो विधेयक। इसके अलावा पंजाब नगर निगम कानून (चंडीगढ़ तक विस्तारित) संसोधन विधेयक-2017 भी पेश किया जाएगा, जिसमें चंडीगढ़ नगर निगम को मनोरंजन और क्रीड़ा पर जीएसटी के तहत कर लगाने का अधिकार दिए जाने का प्रावधान है।

2. बैंकिंग नियमन (संशोधन) विधेयक: इस विधेयक का उद्देश्य भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को बैंकों के बुरे ऋण के निपटान का निर्देश देने का अधिकार प्रदान करना है।

3. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (संशोधन) विधेयक: विधेयक के जरिए एनआईए के अधिकार क्षेत्र में वृद्धि, एनआईए की विशेष अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को सरल बनाना और अनुसूचित अपराधों की जांच में खास तकनीकी के इस्तेमाल की इजाजत देना है।

4. गैर-कानूनी गतिविधियां (निरोधक) अधिनियम (संशोधन) विधेयक: संशोधन कर अदालत की परिभाषा में सुधार ताकि महनिदेशक (डीजी) और एनआईए को जांच के अधीन आतंकवादी मामलों में संबंधित संपति को जब्त करने का अधिकार दिया जा सके।

5. नागरिकता (संशोधन) विधेयक: इस विधेयक के जरिए सरकार अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से अवैध तरीके से भारत आने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है।

6. भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) विधेयक: इस विधेयक के जरिए रिश्वत देने को भी अपराध घोषित किया जाएगा।

7. भारतीय प्रबंधन संस्थान विधेयक: इस विधेयक का उद्देश्य देश के मौजूदा 20 आईआईएम को स्वतंत्र वैधानिक दर्जा प्रदान करना है तथा उन्हें राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित करना है। इस विधेयक के पारित होने के साथ सभी आईआईएम अपने विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान कर सकेंगे।

8. व्हिसल ब्लोअर संरक्षण (संशोधन) विधेयक: यह विधेयक राज्य सभा में पारित होने के लिए अटका हुआ है। इसके अलावा निर्धारित 10 श्रेणियों के तहत आने वाली भ्रष्टाचार से संबंधित जानकारियों के खुलासे पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

राजग की आज बैठक, उपराष्ट्रपति उम्मीदवार की घोषणा संभव

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव तथा संसद के मानसून सत्र की रणनीति पर विचार के लिए राजग के सभी घटक दलों की बैठक रविवार को अपराह्न बुलाई गई है। राजग के सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि संसद के पुस्तकालय भवन परिसर में अपराह्न चार बजे राजग की बैठक होगी जिसमें उपराष्ट्रपति पद के लिये सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार के नाम की घोषणा होने की संभावना है। राजग की बैठक में राष्ट्रपति चुनाव के लिए सोमवार को होने वाले मतदान तथा संसद के मानसून सत्र के लिये रणनीति पर चर्चा होगी। इससे पहले भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक भी होने की संभावना है। विपक्ष पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पौत्र गोपालकृष्ण गांधी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित कर चुका है। श्री गांधी के सोमवार को नामांकनपत्र दाखिल करने की उम्मीद है। संसद का मानसून सत्र 17 जुलाई से 13 अगस्त तक होगा। सोमवार 17 जुलाई को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान होना है। जबकि 18 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद के लिये नामांकन की आखिरी तारीख है। उपराष्ट्रपति पद के लिए पांच अगस्त को चुनाव होना है। राष्ट्रपति पद के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार रामनाथ कोविंद को बीजू जनता दल, जद-यू, अन्नाद्रमुक के दोनों गुट तथा इंडियन नेशनल लोकदल का भी समर्थन हासिल है। श्री कोविंद का मुकाबला 17 विपक्षी दलों की उम्मीदवार पूर्व लोकसभाध्यक्ष मीरा कुमार से है। संसद के मानसून सत्र के सुचारु रूप से संचालन के मकसद से संसदीय कार्य मंत्री अनंत कुमार ने रविवार को पूर्वाह्न सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया है।

शत्रु ने दान की एम्बुलेंस

पटना में शनिवार को जय प्रभा हास्पिटल में मरीजों की सहायता के लिए भाजपा सांसद एवं पूर्व सिने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने एक एम्बुलेंस दान की।

फोटो : एजेंसी

उत्कृष्ट कृषि कार्यों के लिए पुरस्कृत होंगे किसान एवं वैज्ञानिक

केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह करेंगे सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कृषि क्षेत्र तथा पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान के लिए भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून, भारतीय गेहूं और जौ संस्थान करनाल तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि, हिसार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सरदार पटेल उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए चुना गया है ।

कृषि मंत्री भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 89 वें स्थापना दिवस पर रविवार को इन संस्थानों को पुरस्कार स्वरुप 10-10 लाख रुपए की राशि प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेंगे। यह पुरस्कार परिषद के संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों तथा केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों को दिया जाता है। अभा चना समन्वित अनुसंधान परियोजना, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, सर्वोत्तम केंद्र, श्रीगंगानगर, अभा फल समन्वित अनुसंधान परियोजना, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू तथा नवसारी कृषि विवि के अधीन गणदेवी, को चौधरी देवी लाल उत्कृष्ट अभा समन्वित अनुसंधान परियोजना पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा ।

सांप्रदायिक हमले अलकायदा को पहुंचा सकते हैं फायदा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

शीर्ष अमेरिकी थिंकटैंक ने कहा कि आतंकी संगठन अलकायदा भारतीय उपमहाद्वीप में अपना प्रभाव दोबारा बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में बढ़ रहे साम्प्रदायिक हमले आतंकवादी संगठन की मुहिम को फायदा पहुंच सकते हैं। अमेरिकन इंटरप्राइज इंस्टीट्यूट की शोद्यार्थी कैथरीन जिमरमैन ने आतंकवाद और खुफिया जानकारी पर गृह सुरक्षा उपसमिति के समक्ष कांग्रेस की सुनवाई पर अलकायदा के खतरे को लेकर यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत में बढ़ते साप्रदायिक हमले अलकायदा को फायदा पहुंचा सकते हैं।

जिमरमैन ने कहा, आईएस के प्रभाव में आने के बाद अलकायदा ने मगरेब और सालेह में खुद को दोबारा संगठित किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह पंजाब के रास्ते भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी पैठ दोबारा बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठन के सरगना अब अफगानिस्तान और पाकिस्तान पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित नहीं कर रहे। अलकायदा के कट्टर आंतकवादी आजकल सीरिया, यमन,अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इससे भी आगे तक हैं। एक प्रश्न के उत्तर में कैथरीन ने कहा भारतीय उपमहाद्वीप में स्थिति पर करीब से नजर रखना बेहद जरूरी है। वहीं रैंड फाउंडेशन से सेथ जोन्स ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, मुझे लगता है कि इसमें कोई प्रश्न ही नहीं है।

जलवायु परिवर्तन का एशिया में पड़ेगा भयानक प्रभावः अध्ययन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन से प्रशांत महासागर क्षेत्र और एशिया के देशों में भयानक प्रभाव पड़ सकता है। यह चेतावनी एक नई रिपोर्ट में दी गई है और कहा गया है कि 2030 के दशक में दक्षिण भारत में धान के पैदावार में पांच प्रतिशत तक की गिरावट देखी जा सकती है। एडीबी और पीआईके ने रिपोर्ट में दावा किया है कि असंतुलित जलवायु परिवर्तन से वर्तमान में होने वाले विकास के विपरीत इन देशों का विकास भविष्य में गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है और जीवन की गुणवत्ता में कमी आएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया विशेषकर चीन, भारत, बंग्लादेश और इंडोनेशिया में भारी संख्या में लोग रहते हैं जिससे जनसंख्या विस्फोट की आशंका है। इसमें कहा गया है कि इस बीच बुरी से बुरी परिस्थितियों में बांग्लादेश, भारत और पाक के निचले तटीय इलाके में 13 करोड़ लोगों के समक्ष इस सदी के अंत तक विस्थापित होने का खतरा है।

हिट एंड रन केस में उत्सव भसीन को दो साल कारावास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक निचली अदालत ने बहुचर्चित बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामले में हरियाणा के उद्योगपति के बेटे उत्सव भसीन को दो साल की कड़ी कैद और 12 लाख रुपए का जुर्माना ठोंका है। एएसजे संजीव कुमार ने 2008 के इस मामले में आज सजा का ऐलान किया। तीस वर्षीय भसीन अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक मोटर साइकिल पर सवार दो युवकों को रौंदकर मौके से फरार हो गया था।

इस घटना में घायल अनुज सिंह चौहान की बाद में मृत्यु हो गई थी। दूसरा घायल एक टेलिविजन चैनल में पत्रकार था, जिसने घायल होने के बावजूद पीछा करके भसीन को पकड़वाया था। श्री कुमार ने 12 लाख रुपए जुर्माने की राशि में से दस लाख रुपए मृतक के परिवार को और शेष दो लाख रुपये पत्रकार को देने का आदेश दिया है। इस मामले में गत पांच मई को भसीन को लापरवाही से मौत सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। अदालत ने भसीन पर लगी आईपीसी की धारा 304 हटा ली थी।

लखनऊ के ट्रामा सेंटर में आग से मरीजों में भगदड़

लखनऊ ■ एजेंसी

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रामा सेंटर में शाम भीषण आग से भगदड़ मच गई। आग सेकेंड फ्लोर स्थित एडवांस ट्रामा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) वार्ड में लगी और देखते ही देखते विकराल होकर तीसरे फ्लोर पर मेडिसिन स्टोर तक पहुंच गई। हर तरफ धुंआ और लपटों के बीच डाक्टर जान बचाने के लिए बीच में ही आपरेशन छोड़कर भाग गए।

किसी तरह तीमारदारों ने स्ट्रेचर पर लादकर अपने मरीजों को चीखते-चिल्लाते नीचे उतारा और ट्रामा सेंटर के बाहर सड़क पर स्ट्रेचर पर मरीजों की कतारें लग गई। इसके बाद मरीजों को लारी कार्डियोलॉजी, शताब्दी अस्पताल के फेज एक व फेज दो, केजीएमयू के गांधी वार्ड में शिफ्ट किया जाने लगा। जब यहां पर मरीज फुल हो गए तो सिविल व बलरामपुर अस्पताल भी भेजा जाने लगा। करीब चार सौ से अधिक मरीज शिफ्ट किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाने और जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

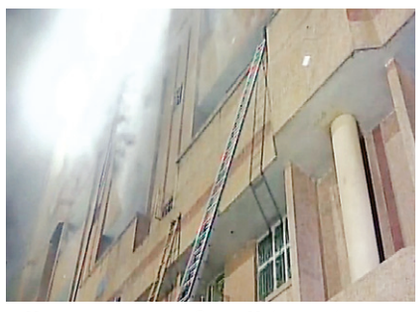

डॉक्टर जान बचाने बीच ऑपरेशन छोड़ भागे

आधा दर्जन गाड़ियां काबू पाने में नाकाम: ताजा जानकारी के मुताबिक आग पर दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां काबू पाने में नाकाम साबित हो रहीं थी। कर्मचारियों ने किसी तरह खिड़कियों के शीशे तोड़कर धुंए को बाहर निकाला। दहशत में मरीज व उनके तीमारदार और ट्रामा सेंटर का स्टाफ बुरी तरह चीखने चिल्लाने लगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस घटना की जांच तीन दिन के भीतर मंडलायुक्त लखनऊ से करने और लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में आग दूसरी मंजिला पर बनी एटीएलएस यूनिट से शुरू हुई। यहां प्लास्टिक के बेड व मैनीक्विन रखी थीं। प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग बहुत तेजी से फैली। आग ने ग्राउंड फ्लोर, पहली मंजिल व दूसरी मंजिल को अपनी गिरफ्त में ले लिया। तीसरी मंजिल पर ट्रामा वेंटीलेटर यूनिट (टीवीयू)में अत्यंत गंभीर मरीज थे इन्हें किसी तरह बचाया गया। वहीं जिस फ्लोर पर आग लगी उसमें आर्थोपेडिक विभाग, मेडिसिन विभाग व न्यूरो सर्जरी विभाग शामिल है। आग चौथे व पांचवे फ्लोर पर न पहुंचे इसके लिए कड़ी मशक्कत की गई।

टांका खुला छोड़कर भागे डॉक्टर

बलरामपुर जिले से आई सुनीता के आंतो का आपरेशन हुआ था कि अचानक आग लग गई यहां पर डाक्टर टांका खुला छोड़कर ही भाग गए। इसके बाद सुनीता का पति राम दशरथ उसे गोद में उठाकर किसी तरह जान बचाकर नीचे आया। वहीं रैन बसेरे में बस्ती की प्रमिला खाना बनाने आई थी और उसकी पंद्रह दिन की बेटी एनआइसीयू में चौथे फ्लोर पर भर्ती थी। वह अपने बेटे की देखरेख में बेटी को छोड़कर आई थी। आग लगने के बाद जब वह बेटे का फोन मिला रही थी तो वह उठ नहीं रहा था।

सीएम योगी ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल विवि (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से पहले अफरातफरी और फिर भगदड़ जैसे हालात बनने की घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मण्डलायुक्त लखनऊ को घटना की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए दोषी व्यक्तियों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाए जिससे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। इस प्रकार की घटना की भविष्य में पुनरावृत्ति न हो इसके लिए संस्तुतियां दी जाएं।